केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 49 रविवार 7 सितम्बर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

किशोरी से दुष्कर्म मामले में मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती के मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक 15 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। 4 सितंबर की रात को किशोरी अपनी मां को बुलाने के लिए घर से निकली थी। रास्ते में संतकबीर नगर के खलीलाबाद थाना क्षेत्र के अमाये गांव का रहने वाला संदीप नाम का युवक उसे जबरन मोटरसाइकिल पर बैठाकर गन्ने के खेत में ले गया।

पीड़िता के पिता की शिकायत के अनुसार, वह अपनी पत्नी के साथ दवा लेने गए थे। रात करीब 8 बजे उनकी बेटी मां को बुलाने निकली। आरोपी ने खेत में किशोरी के साथ मारपीट की और दुष्कर्म किया। इसके बाद वह किशोरी को घर के पास छोड़कर भाग गया। जाते समय उसने किशोरी को जान से मारने की धमकी भी दी।

किशोरी रात करीब 12 बजे घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

मां काली मंदिर के रोपवे का केबल टूटा, 6 लोगों की मौत

पंचमहल (आभा)। गुजरात में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। पंचमहल जिले में पावागढ़ पहाड़ी पर स्थित मां काली मंदिर में रोपवे का केबल तार टूट जाने से छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस और दमकल की टीमें बचाव एवं राहत कार्यों के लिए मौके पर मौजूद हैं। यह मंदिर लगभग 800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

गुजरात के पंचमहल जिले में स्थित प्रसिद्ध पावागढ़ हिल मंदिर में शनिवार को एक मालवाहक रोपवे का केबल तार टूट जाने से छह लोगों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिले के पुलिस अधीक्षक हरेश दुधात ने इस हादसे में छह लोगों की मौत की पुष्टि की है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस और दमकल की टीमें बचाव एवं राहत कार्यों के लिए मौके पर मौजूद हैं। यह मंदिर लगभग 800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यहां तीर्थयात्री या तो लगभग 2000 सीढ़ियां चढ़कर या केबल कार से शिखर पर स्थित मंदिर तक पहुंचते हैं।

हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के कारण सुबह से ही आम जनता के लिए रोपवे को बंद कर दिया गया था। पावागढ़ पहाड़ी चंपानेर से तीन चरणों में निकलती है। इसका पठार 1471 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। पहाड़ी की चोटी पर देवी काली को समर्पित एक विशाल मंदिर है। यहां हर साल लगभग 25 लाख पर्यटक आते हैं।

पंचमहल रोपवे दुर्घटना पर गुजरात के मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि पावागढ़ में एक रोपवे यात्रियों के लिए और दूसरा माल ढुलाई के लिए है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, टावर नंबर 1 के पास छह मजदूरों को ले जा रही एक बोगी का तार टूट गया और पूरी बोगी नीचे गिर गई। उसमें सवार छह मजदूरों की मौत हो गई। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कलेक्टर ने एक समिति गठित की है और एक प्राथमिक रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी। उसके बाद अगले कदम उठाए जाएंगे।

रामस्वरूप यूनिवर्सिटी पर चला बुलडोजर पलभर में जमींदोज हो गई बिल्डिंग

बाराबंकी (आभा)। एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज के बाद प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई कर दी। शनिवार को प्रशासन ने श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर चला दिया। पलक झपकते ही यूनिवर्सिटी जमींदोज हो गई। इस दौरान यूनिवर्सिटी में सन्नाटा रहा। कार्रवाई के दौरान पुलिस और प्रशासन की टीमें मौजूद रहीं।

दरअसल जिस जमीन पर यूनिवर्सिटी बनी है, वहां की करीब छह बीघा जमीन सरकारी रिकॉर्ड में ऊसर–बंजर दर्ज है। उस पर

विश्वविद्यालय का कब्जा है। इसको लेकर नवाबगंज की अदालत में सुनवाई चल रही थी। कोर्ट ने 25 अगस्त को फैसला सुनाते हुए यूनिवर्सिटी प्रबंधन पर 27 लाख 96 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। साथ ही 30 दिन में जमीन खाली करने का आदेश भी दिया था। कोर्ट के आदेश पर शनिवार को प्रशासन और पुलिस की टीमें सरकारी जमीन पर बने एमिनल हाउस को हटाने पहुंची। टीम ने बुलडोजर से बिल्डिंग तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की। इससे पहले प्रशासन ने जमीन की पैमाइश कराई। इसके बाद जमीन खाली कराने की कार्रवाई की।

पीईटी परीक्षाः बस्ती में 29 परीक्षा केन्द्रों पर शुरू हुई परीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की ओर से विभिन्न सरकारी नौकरी के लिए उम्मीदवारों की पात्रता निर्धारित करने के लिए पीईटी परीक्षा का आयोजन किया गया है। दो दिनों तक चलने वाली यह परीक्षा जिले में चार पॉलियों में होगी। प्रत्येक पॉली में 12504 अभ्यर्थियों का सेंटर बनाया गया है। शनिवार की सुबह सात ही बजे से अभ्यर्थी केन्द्र पर पहुंचने लगे। सुबह नौ बजे तक अभ्यर्थियों का परीक्षा केन्द्र में प्रवेश हो गया। जनपद में कुल 29 परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण किया गया है। प्रत्येक दिन दो–दो पॉलियों में होनी

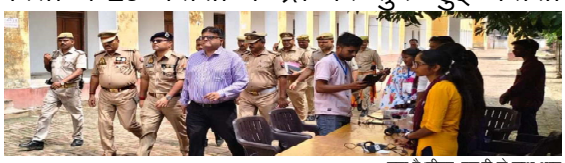

वाली दो घंटे की परीक्षा में कुल 50016 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

पहली पॉली सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पॉली में परीक्षा दिन के तीन बजे से शाम पांच बजे तक चलेगी। परीक्षा को सकुशल व नकलविहीन सम्पन्न कराने के लिए प्रत्येक सेंटर पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती डीएम रवीश गुप्ता स्तर से की गई है। डीआईओएस जगदीश प्रसाद शुक्ल ने बताया कि सभी केन्द्रों पर पहली पॉली में समय से परीक्षा प्रारंभ करा दी गई है। परीक्षा केन्द्रों के लिए भी पर्याप्त पुलिस बल का प्रबंध किया गया है।डीएम, एस.पी के साथ अन्य अधिकारी परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करते रहे। गैर जनपदों से आये परीक्षा देने वाले और उनके परिजन होटल, लाज व धर्मशालाओं के लिये परेशान रहे।

मर्यादा में रहकर विरोध प्रदर्शन करें एबीवीपी कार्यकर्ता–राम ललित

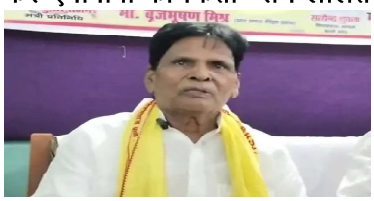

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा मंत्री ओम प्रकाश राजभर के आवास पर किए गए प्रदर्शन पर पूर्व मंत्री रामलालित चौधरी ने नाराजगी जताई है।

चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल उठाना अधिकार है। लेकिन इसका तरीका संविधान के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद को पहले सरकार और सिस्टम से संवाद करना चाहिए था।

पूर्व मंत्री ने स्पष्ट किया कि देश संविधान से चलता है। अगर कोई हंगामा करेगा या पुलिस पर हमला करेगा तो कार्रवाई होगी। उन्होंने एबीवीपी कार्यकर्ताओं द्वारा मंत्री के घर पर किए गए दुर्व्यवहार की निंदा की।

चौधरी ने कहा कि गरीब और पिछड़े वर्ग से आए मंत्री के घर पर ऐसा व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने टिप्पणी की कि अगर मंत्री उच्च जाति से होते तो शायद कोई ऐसी हिम्मत नहीं करता।

पूर्व मंत्री ने छात्र संगठनों से आग्रह किया कि वे आंदोलन लोकतांत्रिक मर्यादा में रहकर करें। इससे समाज में गलत संदेश नहीं जाएगा।

परिवार न्यायालय न्यायाधीश के खिलाफ नाराज अधिवक्ताओं ने हाईकोर्ट को लिखा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती के परिवार न्यायालय में न्यायाधीश द्वारा अधिवक्ताओं और वादकारियों के साथ दुर्व्यवहार के विरोध में शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने कोर्ट का बहिष्कार किया। सिविल बार बस्ती के माध्यम से अधिवक्ताओं ने हाईकोर्ट को पत्र भेजकर न्यायाधीश को हटाने की मांग की है।

अधिवक्ताओं का कहना है कि न्यायालय में इस तरह का व्यवहार अधिवक्ताओं की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। साथ ही यह वादकारियों का न्याय व्यवस्था से विश्वास भी कम करता है। विरोध में अजय सिंह, मारुति शुक्ला, रजनीश दूबे, रविशंकर शुक्ला समेत कई अधिवक्ताओं ने हिस्सा लिया।

वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था की रीढ़ होते हैं। उनके साथ दुर्व्यवहार न्यायपालिका की साख पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने बताया कि जनपद बार के साथ–साथ प्रदेश के अन्य बार भी इस संघर्ष में साथ हैं। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर स्थिति नहीं सुधरी तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

बस्ती मैराथन की तैयारियां शुरूः पोस्टर का विमोचन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली ऐतिहासिक बस्ती मैराथन दौड़ के चौदहवें संस्करण का पोस्टर विमोचन समारोह रविवार को सर्किट हाउस सभागार, बस्ती में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजन की तिथि 12 अक्टूबर 2025, रविवार घोषित की गई।

कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ समाजसेवी और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश शुक्ल ने कहा कि बस्ती मैराथन जिले के गौरव का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने कहा, "इस आयोजन ने न केवल युवाओं को खेलों से जोड़ने का कार्य किया है, बल्कि समाज में स्वास्थ्य, नशामुक्ति और स्वच्छता का संदेश भी पहुंचाया है। यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों को एक नई दिशा देने वाला है।"

वरिष्ठ समाजसेवी गुलाब सोनकर ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यह आयोजन जिले के युवाओं की

प्रतिबद्धता और ऊर्जा का प्रतीक है। उन्होंने कहा, "मैराथन ने बस्ती के खेल–संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। आज यह सिर्फ खेल का नहीं बल्कि सामाजिक जागरूकता का महाआयोजन बन चुका है।"

युवा समाजसेवी अंकुर वर्मा ने कहा कि बस्ती मैराथन ने जिले के प्रत्येक नागरिक को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा, "आज बस्ती के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा सभी इस दौड़ में भाग लेकर समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते हैं। यह आयोजन जिले की पहचान है और इसे और व्यापक स्तर पर ले जाने की जरूरत है।"

समाजसेवी रामनुजेंद्र पाण्डेय ने युवाओं के इस प्रयास की सराहना की और कदम से कदम मिलाकर चलने की बात कही, उन्होंने कहा कि यह बस्ती की पहचान बन चुका है।

नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ के अध्यक्ष भावेष पाण्डेय ने कहा कि पिछले तेरह वर्षों से लगातार आयोजित हो रही यह मैराथन आज बस्ती का खेल उत्सव बन चुकी है। उन्होंने कहा, "बस्ती मैराथन सिर्फ एक दौड़ नहीं बल्कि एक आंदोलन है, जिसने जिले को खेल, स्वास्थ्य और समाजिक जागरूकता के नए आयाम दिए हैं। इस आयोजन ने बस्ती को नशामुक्त और स्वस्थ समाज बनाने की दिशा में प्रेरित किया है।"

कार्यक्रम में आयोजन समिति की जिम्मेदारियां भी तय की गईं। काजी फरजान को कार्यक्रम संयोजक, सुनील यादव को कार्यक्रम प्रभारी और राम प्रताप सिंह को प्रबंध संयोजक की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा जिला संयोजक शास्वत श्रीवास्तव, अमित राय, ऋतुराज बहादुर सिंह, कपिंद्र मिश्र, सुधांशु पाण्डेय, हेमंत कुमार, अरुण पाण्डेय, ज्ञान उपाध्याय, विजय प्रकाश चौधरी, कमलेश मिश्र, उत्तम दूबे, धनंजय, रितिक शर्मा, रत्नेश विश्वकर्मा, अमितोष, आशुतोष श्रीवास्तव, नीरज उपाध्याय, अभिषेक त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बदले सुर

नई दिल्ली (आभा)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सुर भारत को लेकर अचानक बदल गए हैं। भारत और अमेरिका के संबंधों को लेकर ट्रंप ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। इसके साथ ही साथ उन्होंने पीएम मोदी को एक महान प्रधानमंत्री भी बताया है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा रखा है। इसके अलावा दो दिन पहले की डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को चीन और रूस के हाथों खो देने की बात कही थी। लेकिन अचानक से डोनाल्ड ट्रंप का सुर बदल क्यों गया है?

पिछले कुछ वक्त में चीन और भारत के संबंध बहुत अच्छे नहीं थे। लेकिन सीमा पर विवाद पर पहल के बाद से हालात कुछ सामान्य होते दिखाई दे रहे थे। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर पहले 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की। बात सिर्फ इतने पर नहीं रुकी। रूस से तेल खरीदने की बात कहकर ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी और टैरिफ लगा दिया। यानी भारत पर कुल 50 फीसदी का टैरिफ लगा दिया। भारत की तरफ से तमाम व्यापारिक बातचीत और कूटनीति का सहारा लिया गया, लेकिन बात बनती नजर नहीं आई।

भाजपा टीम 11 ने डीएम को सौंपा ज्ञापनः संदिग्धों की पहचान के लिये जिले में अभियान चलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती। शनिवार को भाजपा 11 टीम ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से निवास कर रहे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की जोच और कार्रवाई की मांग किया। टीम ने डीएम को बताया कि बड़ी संख्या में विशेष समुदाय के लोग फर्जी पहचान पत्र और झूठे दस्तावेजों के सहारे लंबे समय से बस्ती जनपद में रह रहे हैं। ये लोग बाहर से आकर गांवों में फेरी का कार्य करते हुए स्थायी निवास बना लिये हैं तथा आये दिन चोरी–चकारी जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

ज्ञापन के माध्यम से टीम ने मांग किया कि मजिस्ट्रेट स्तर से निष्पक्ष जांच कराई जाय। तहसील व थाना स्तर पर संयुक्त टीम गठित कर संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन कराया जाए और यदि उनके दस्तावेज फर्जी पाए जाते हैं तो दोषियों व उनके सहयोगियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

भाजपा 11 टीम ने स्पष्ट कहा कि यदि इस विषय में समयबद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो कानून–व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ज्ञापन सौंपने वालों में सत्येन्द्र सिंह भोलू, राजकुमार शुक्ल, दिलीप पाण्डेय, विद्यामणी सिंह, अभिषेक कुमार, विनोद चौधरी, प्रदीप निषाद एवं तारक जायसवाल शामिल रहे।

इ. रूपेन्द्र श्रीवास्तव शिव सेना जिला प्रमुख, प्रतीक मिश्रा विद्यार्थी प्रमुख घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को शिवसेना की बैठक प्रेस क्लब सभागार में युवा सेना प्रमुख नारायण पाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन के विस्तार पर चर्चा के साथ ही सर्व सम्मत से इ. रूपेन्द्र श्रीवास्तव को शिव सेना जिला प्रमुख और प्रतीक मिश्रा को विद्यार्थी सेना प्रमुख घोषित किया गया।

बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये राज्य उप प्रमुख डा. संतराम यादव ने कहा कि षड़यंत्रपूर्वक शिव सेना को दो भागों में विभाजित करा दिया गया किन्तु बाला साहब ठाकरे द्वारा गठित शिव सेना उद्धव ठाकरे के हाथें में सुरक्षित है। उन्होने युवा पीढी का आवाहन किया कि वे शिवसेना की मजबूती के लिये आगे आयें। उन्होने दवाओं की कालाबाजारी, कमीशनखोरी

–शिवसेना संगठन की मजबूती पर जोर

पर चिन्ता व्यक्त करते हुये कहा कि लोगों तक सस्ती, सुलभ चिकित्सा पहुंचनी चाहिये।

कार्यक्रम में प्रदेश सचिव संजय प्रधान, अयोध्या के युवा प्रमुख रजित ने कहा कि शिवसेना एक विचारधारा है और उस अनुरूप संगठन की मजबूती के साथ आगे बढना होगा। मुख्य रूप से राधेश्याम शुक्ल, विनोद मणि त्रिपाठी, अंकित कुमार, राघवेन्द्र प्रताप, अवनीश, बाबूराम, सचिन, राज, अमित, ध्रुव, सोनू, सुभाष यादव, विशाल, अमन कुमार के साथ ही अनेक शिव सैनिक उपस्थित रहे।

मानदेय बढाये जाने की मुख्यमंत्री की घोषणा से शिक्षा मित्रों में प्रसन्नता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिक्षा मित्रों का मानदेय बढाये जाने, कैश लेश सुविधा से जोड़ने की घोषणा से शिक्षा मित्रों में प्रसन्नता की लहर है। शनिवार को उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ की बैठक लोहिया मार्केट स्थित शिविर कार्यालय पर जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि शिक्षा मित्र पिछले 8 वर्षों से अपने अधिकार, मानदेय बढाये जाने, शिक्षक के रूप में समायोजन की मांग को लेकर संघर्षरत है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने शिक्षा मित्रों से मिलकर उनकी समस्या जानने का प्रयास करने के साथ ही समाधान का आश्वासन दिया था। शिक्षक दिवस के दिन उन्होने शिक्षा मित्रों का मानदेय बढाये जाने, कैश लेश सुविधा से जोड़ने की घोषणा करके उदास, निराश हो चुके शिक्षकों

में उम्मीद की किरण जगा दिया है। कहा कि निश्चित रूप से इसका लाभ शिक्षा मित्रों को मिलेगा। संघ शिक्षक के रूप में समायोजन तक अपना संघर्ष जारी रखेगा।

संघ के संरक्षक संजय यादव, मण्डल अध्यक्ष प्रवीन श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री की घोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये उम्मीद जतायी कि अति शीघ्र शासनादेश जारी कर इसे व्यवहारिक रूप से लागू कराया जायेगा।

बैठक में मुख्य रूप से जिला संगठन मंत्री संदीप कुमार सिंह, राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, जिला महामंत्री दिनेश उपाध्याय, कोषाध्यक्ष असद जमाल, ब्लाक अध्यक्ष धर्मेन्द्र पाठक, प्रदीप चौधरी, रामेन्द्र श्रीवास्तव, राजेन्द्र श्रीवास्तव, सिराज अहमद, शिवशंकर साहू, शिव कुमार चौधरी, राम प्रकाश वर्मा, भोला शुक्ल, राणा प्रताप सिंह, श्रवण यादव, राकेश उपाध्याय, भगीती भारती, सुशील कुमार चौधरी आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 सितम्बर 2025 रविवार

सम्पादकीय

जीएसटी सुधार से जगी उम्मीदें

पिछले कई वर्षों से माल एवं सेवा कर यानी जीएसटी प्रणाली और इसकी दरों को लेकर सवाल उठ रहे थे, लेकिन इस मसले पर सरकार के भीतर कोई खास उत्साह नहीं दिख रहा था। नतीजतन, ऐसी बहुत सारी वस्तुओं पर भी कर के रूप में लोगों को नाहक ही ज्यादा रकम चुकानी पड़ रही थी, जिन्हें अनिवार्य आवश्यकताओं के रूप में जाना जाता है। अब आखिरकार सरकार ने जीएसटी की दरों में बड़े बदलाव की घोषणा की है और इसे आम जनता के लिए भारी राहत के तौर पर पेश किया जा रहा है।

हालांकि कई वस्तुओं और सेवाओं पर अब तक लागू कर की दरों में जिस तरह कमी की गई है, उससे अर्थव्यवस्था को भी गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके तर्कसंगत होने को लेकर जिस तरह के सवाल उठते रहे हैं, उसमें यह निश्चित रूप से एक बड़ा बदलाव है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसे बहुत देर से उठाया गया कदम बताया है।

गौरतलब है कि जीएसटी परिषद की बैठक में जिन नई दरों को मंजूरी दी गई, उसके तहत बारह फीसद और अट्ठाईस फीसद के स्तर को खत्म कर दिया गया है और अब सिर्फ पांच और अठारह फीसद की दर लागू रहेगी। मगर कुछ खास वस्तुओं पर जीएसटी को चालीस फीसद तक बढ़ा दिया गया है। इसी महीने की बाईस तारीख से लागू होने वाले करों के नए ढांचे में जो बदलाव किए गए हैं, उसके तहत लोगों के लिए आम उपयोग में आने वाली वस्तुओं और सामान्य सेवाओं के मामले में काफी राहत दी गई है।

मसलन, खाद्य और डेयरी उत्पाद, दवाएं, तेल, घी, सूखे मेवे, चपाती आदि रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाली कई उपयोगी चीजों को पांच फीसद के कर—ढांचे में डाला गया है। जबकि जीवन—बीमा सहित कुछ जीवनरक्षक दवाओं पर जीएसटी शून्य कर दी गई है। वहीं, वातानुकूलन यंत्र, टीवी, प्रोजेक्टर सहित कई इलेक्ट्रोनिक चीजों को अठारह फीसद के स्तर में लाया गया है। इससे इतर, बड़े आकार वाली महंगी कारों के साथ—साथ पान मसाला, सिगरेट, गुटखा और कैफीनयुक्त पेय जैसी कुछ चीजों पर अब चालीस फीसद जीएसटी तय की गई है।

जाहिर है, नए ढांचे का मकसद आबादी के एक बड़े हिस्से के खर्च और उपभोग को राहत के दायरे में लाकर अर्थव्यवस्था को रफ्तार देना है। यह एक आम हकीकत है कि अगर कोई वस्तु लोगों की आय के मुताबिक क्रयशक्ति की सीमा में होती है, तभी वे उसे खरीदने या उसके उपयोग को लेकर सहज होते हैं। कर की दरों में कमी के बाद वस्तुओं या सेवाओं की कीमतों में जो अंतर आएगा, आम इस्तेमाल में आने वाली चीजों की महंगाई में गिरावट आएगी, उससे बड़ी संख्या में लोग उसके उपभोग के दायरे में आ जाएंगे।

जीएसटी काउंसिल ने 22 सितंबर से लागू होने वाली जीएसटी की नई दरों को मंजूरी दी है जिसमें 5: और 18: के दो स्तरीय टैक्स स्ट्रक्चर शामिल हैं। इससे आवश्यक वस्तुओं की कीमतें कम होने की उम्मीद है खासकर हेल्थ इंश्योरेंस लेने वालों को फायदा होगा। बीजेपी ने इस फैसले की सराहना की है जबकि मल्लिकार्जुन खरगे ने टैक्स बताकर सरकार की आलोचना की है। यह प्रश्न तो है ही कि जीएसटी सुधार में इतना विलम्ब क्यों हुआ। इसे पहले किया जा सकता था।

बाजार में मांग बढ़ने से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और इस तरह आर्थिक मोर्चे पर अमेरिकी शुल्कों से जो चुनौती पैदा हुई है, उसका सामना करने की दिशा में विकल्प भी तैयार होंगे। यों करीब आठ वर्ष पहले जब जीएसटी को लागू किया गया था, तभी से समय—समय पर अनेक उत्पादों पर कर की दरों में कुछ बदलाव किए गए, लेकिन कई अन्य उत्पादों पर कटौती की मांग होती रही। अब जीएसटी में बदलाव की घोषणा तो हो गई है, लेकिन राज्यों की ओर से जिस तरह राजस्व क्षतिपूर्ति के लिए समय देने की मांग उठी है, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि सरकार इस संबंध में कौन—सा रास्ता निकालती है!

बिहार चुनाव के समर में बदलते समीकरण

—अजय कुमार—

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है, और सियासी माहौल में उबाल आ गया है। जैसे—जैसे अक्टूबर—नवंबर में होने वाले इस महासमर की तारीखें नजदीक आ रही हैं, राजनीतिक दल अपनी रणनीतियों को और धार दे रहे हैं। इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' और उनके 'हाइड्रोजन बम' वाले बयान ने जहां विपक्ष को नया जोश देने की कोशिश की, वहीं केरल कांग्रेस की एक सोशल मीडिया पोस्ट और दरभंगा रैली में हुए गालीकांड ने सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने इन विवादों को बिहार की अस्मिता से जोड़कर महागठबंधन को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

बिहार का चुनावी रण हमेशा से ही देश की सियासत का केंद्र रहा है। 243 सीटों वाली विधानसभा में इस बार मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और महागठबंधन के बीच बेहद कड़ा होने वाला है। नीतीश कुमार की अगुआई में एनडीए, जिसमें भाजपा, जेडीयू, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं, अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटा है। वहीं, महागठबंधन में कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), और अन्य सहयोगी दल मिलकर सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी और आम आदमी पार्टी (आप) के सभी 243 सीटों पर अकेले लड़ने के ऐलान ने सियासी समीकरणों को और उलझा दिया है।

राहुल गांधी ने अपनी 'वोटर अधिकार यात्रा' के जरिए बिहार में नया सियासी नैरेटिव बनाने की कोशिश की। 16 दिन की यह यात्रा 1300 किलोमीटर का सफर तय करते हुए 20 जिलों से गुजरी और 1 सितंबर 2025 को पटना के गांधी मैदान में एक विशाल रैली के साथ खत्म हुई। इस यात्रा का मकसद था मतदाताओं को उनके वोट के अधिकार के प्रति जागरूक करना और चुनाव आयोग की मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को उजागर करना। राहुल ने अपनी रैलियों में 'वोट चोरी' का मुद्दा जोर—शोर से उठाया। उन्होंने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर वोटर लिस्ट में हेरफेर किया। खास तौर पर, उन्होंने कर्नाटक के बेंगलुरु साउथ की महादेवपुरा सीट का जिक्र किया, जहां उनके मुताबिक एक लाख से ज्यादा फर्जी वोटर थे। इसे उन्होंने 'एटम बम' करार दिया और अब वाराणसी सहित 48 अन्य सीटों पर 'हाइड्रोजन बम' फोड़ने की बात कही।

पटना की रैली में राहुल ने कहा, "माधवपुरा में हमने एटम बम दिखाया था, अब बिहार में हाइड्रोजन बम दिखाएंगे। इसके बाद नरेंद्र मोदी जी जनता का सामना नहीं कर पाएंगे।" उनका यह बयान न केवल चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि महागठबंधन बिहार में भावनात्मक और तकनीकी मुद्दों को मिलाकर एक मजबूत नैरेटिव बनाना चाहता है। यात्रा में तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खरगे, और अखिलेश यादव जैसे नेताओं की मौजूदगी ने इसे और भव्य बनाया। लेकिन इस सियासी जोश को उस वक्त झटका लगा, जब दरभंगा में राहुल और तेजस्वी के मंच से कुछ कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया।

28 अगस्त 2025 को दरभंगा में हुई इस घटना का वीडियो वायरल हो गया। भाजपा ने इसे तुरंत मुद्दा बनाया और इसे बिहार की मातृ—पूजा की संस्कृति पर हमला बताया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' करार दिया, जबकि भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा, "कांग्रेस अब गांधी जी की पार्टी नहीं, गाली वाली पार्टी बन गई है।" इस घटना ने विपक्ष को बैकफुट पर ला दिया। हालांकि, महागठबंधन ने स्पष्ट किया कि अपशब्दों के वक्त राहुल और तेजस्वी मंच पर मौजूद नहीं थे, लेकिन बिहार की भावनात्मक जनता के बीच इसने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया। भाजपा ने इसे और भुनाने के लिए 4 सितंबर को बिहार बंद का आह्वान किया, जिसमें उनकी महिला मोर्चा ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस गालीकांड का असर अभी थमा भी नहीं था कि केरल कांग्रेस की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने नया तूफान खड़ा कर दिया। 5 सितंबर 2025 को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आधिकारिक ग हैंडल से एक पोस्ट की गई, जिसमें लिखा था, "बीड़ी और बिहार दोनों 'ब' से शुरू होते हैं। अब इसे पाप नहीं माना जा सकता।" यह पोस्ट केंद्र सरकार के जीएसटी सुधारों पर तंज थी, लेकिन बिहार की तुलना 'बीड़ी' से करना स्थानीय लोगों को नागवार गुजरा। भाजपा और जेडीयू ने इसे बिहार की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान पर हमला बताया। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, "पहले कांग्रेस ने पीएम की मां का अपमान किया, अब पूरे बिहार का। यह उनका असली चरित्र है।" जेडीयू के नीरज कुमार ने इसे बिहारियों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करार दिया।

केरल कांग्रेस ने पोस्ट हटाकर माफी मांग ली और कहा कि यह उनका आधिकारिक रुख नहीं था, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। तेजस्वी यादव ने भी इस पर माफी की मांग की, लेकिन यह विवाद महागठबंधन की एकता को कमजोर करने वाला साबित हुआ। बिहार की जनता, जो अपनी सांस्कृतिक अस्मिता के प्रति बेहद संवेदनशील है, इस तरह की टिप्पणियों को आसानी से बर्दाश्त नहीं करती। भाजपा ने इसे बिहार के सम्मान का मुद्दा बनाकर विपक्ष को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

चुनाव आयोग पर राहुल के आरोपों ने भी सियासी माहौल को और गर्म कर दिया। उन्होंने दावा किया कि 65.5 लाख वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जिसे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 'लोकतंत्र की हत्या' करार दिया। चुनाव आयोग ने इन आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि मतदाता सूची की जांच में गलतियों को ठीक करने का मौका सभी दलों को दिया जाता है। आयोग ने राहुल से हलफनामा देकर अपने दावों को साबित करने को कहा, अन्यथा माफी मांगने की बात कही। लेकिन राहुल ने इस मुद्दे को और जोर—शोर से उठाया, जिससे सियासी तनाव बढ़ गया।

बिहार की सियासत में ये विवाद महागठबंधन के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। राहुल की 'वोटर अधिकार यात्रा' ने शुरू में जनता के बीच जोश भरा था, लेकिन गालीकांड और 'बीड़ी' विवाद ने उनके नैरेटिव को कमजोर कर दिया। दूसरी ओर, एनडीए अपनी कल्याणकारी योजनाओं और भावनात्मक मुद्दों के जरिए जनता को लुभाने में जुटा है। नीतीश कुमार की सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के मोर्चे पर कई योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन पलायन, बेरोजगारी, और अपराध जैसे मुद्दे अब भी बिहार के लिए बड़ी चुनौती हैं। आने वाले चुनावों में महागठबंधन को अपनी रणनीति को फिर से मजबूत करना होगा। राहुल गांधी को 'वोट चोरी' के अपने दावों को ठोस सबूतों के साथ पेश करना होगा, ताकि जनता का भरोसा जीता जा सके। वहीं, भाजपा और जेडीयू को अपनी एकजुटता और विकास के एजेंडे को जनता के सामने रखना होगा। बिहार की जनता के लिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि उनके भविष्य का सवाल है। क्या राहुल का 'हाइड्रोजन बम' वास्तव में सियासी धमाका करेगा, या केरल का 'बीड़ी बम' और गालीकांड विपक्ष की राह में और बड़ी रुकावट बन जाएंगे? यह देखना दिलचस्प होगा।

यूपी की राजनीति की दशा दिशा

—संजय सक्सेना—

उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बार फिर पुराना जख्म हरा हो गया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 'टोटी चोरी' कांड को लेकर बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला है। शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश ने बीजेपी को आड़े हाथों लिया और पूर्व मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी व उनके ओएसडी अभिषेक कौशिक को इस मामले का मास्टरमाइंड बताया। उनके लिए यह मामला अब सिर्फ एक पुरानी कहानी नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अपमान और सियासी साजिश का प्रतीक बन चुका है। अखिलेश ने साफ कहा, "मैं टोटी चोरी का मामला कभी नहीं भूल सकता।" यह मुद्दा अब 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट में सपा के लिए एक बड़ा सियासी हथियार बन रहा है। आखिर यह 'टोटी चोरी' कांड 2017 में क्यों सुर्खियों में आया? और आज भी अखिलेश यादव को क्यों सताता है।

बात 2017 की है। उस समय उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा की हार हुई थी और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री का पद छोड़कर लखनऊ का सरकारी आवास खाली करना पड़ा। आवास खाली करने के बाद खबरें फैलीं कि वहां से टोटियां, बिजली के फिक्सचर, नल—नलकियां और कुछ छोटी—मोटी चीजें गायब हैं। बीजेपी ने इस मुद्दे को जोर—शोर से उछाला और इसे सपा सरकार के भ्रष्टाचार का सबूत बताया। योगी आदित्यनाथ सरकार ने जांच के आदेश दिए और मीडिया में 'टोटी चोर' जैसे शब्द गूंजने लगे। बीजेपी ने इसे सपा के 'लूटतंत्र' का प्रतीक बनाकर खूब प्रचार किया।

उस समय यह मामला इतना तूल पकड़ गया कि सोशल मीडिया से लेकर गली—मोहल्लों तक हर जगह इसकी चर्चा होने लगी। बीजेपी समर्थक इसे सपा की करतूत बताते थे, तो सपा कार्यकर्ता इसे बीजेपी की साजिश करार देते थे। अखिलेश ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। उनका कहना था कि आवास में कोई कमी नहीं थी और सब कुछ जस का तस छोड़ा गया था। उन्होंने इसे बीजेपी की साजिश बताया, जिसका मकसद उनकी और सपा की छवि को खराब करना था। अखिलेश ने तत्कालीन मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी और उनके ओएसडी अभिषेक कौशिक पर इस झूठी कहानी को गढ़ने और मीडिया में फैलाने का आरोप लगाया। उनके मुताबिक, बीजेपी ने उनके सम्मान को ठेस पहुंचाने के लिए यह सब रचा। यह मामला उनके लिए इतना अपमानजनक था कि वह इसे बार—बार याद करते हैं।2025 में यह मुद्दा फिर से क्यों चर्चा में आया? दरअसल, हाल ही में बीजेपी विधायक केतकी सिंह ने इस कांड को दोबारा उछाला और अखिलेश को 'टोटी चोर' कहा। जवाब में सपा छात्र सभा ने केतकी सिंह के घर पर प्रदर्शन किया। इसी का जवाब देने के लिए अखिलेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और बीजेपी पर जमकर बरसे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश का गुस्सा साफ झलक रहा था। उन्होंने कहा, "मैं टोटी चोरी का मामला कभी नहीं भूल सकता। यह सब अवनीश अवस्थी और अभिषेक कौशिक ने करवाया। बीजेपी सरकार को समझ लेना चाहिए कि हम इसे भूलने वाले नहीं हैं।" उन्होंने दावा किया कि एक बड़े अखबार के स्टिंग ऑपरेशन में इस साजिश का खुलासा हो चुका है। अखिलेश ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि उनके घर को गंगाजल से धुलवाने की बात की गई, जो उनके सम्मान को चोट पहुंचाने की कोशिश थी। उन्होंने चेतावनी दी कि जब सरकार बदलेगी, तो इसका जवाब जरूर लिया जाएगा। यह बयान उनके व्यक्तिगत दर्द को दिखाता है और सपा कार्यकर्ताओं में जोश भर रहा है।

अवनीश अवस्थी और अभिषेक कौशिक कौन हैं, जिन पर अखिलेश इतना गुस्सा हैं? अवनीश अवस्थी एक आईएएस अधिकारी हैं, जो 2017 में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव थे। वह योगी सरकार के करीबी माने जाते थे और बाद में मुख्यमंत्री के सलाहकार भी बने। अभिषेक कौशिक उनके ओएसडी थे। अखिलेश का आरोप है कि इन दोनों ने मिलकर 'टोटी चोरी' की कहानी बनाई और इसे मीडिया में फैलाया। उन्होंने अभिषेक कौशिक पर 'भागने' का भी आरोप लगाया, जिसने सियासी हलकों में हलचल मचा दी। अखिलेश का कहना है कि बीजेपी ने इन अधिकारियों के जरिए सपा सरकार की उपलब्धियों, जैसे लैपटॉप वितरण, 108 एंबुलेंस सेवा, डायल 100 और आगरा—लखनऊ एक्सप्रेस—वे जैसी योजनाओं को दबाने की कोशिश की। अवनीश अवस्थी अब रिटायर्ड हैं, लेकिन उनकी भूमिका पर सवाल उठते रहते हैं।

यह मामला अब सिर्फ टोटी चोरी तक सीमित नहीं है। अखिलेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी की 'चुनावी तिकड़ी' का जिक्र किया अधिकारी, सरकार और चुनाव आयोग। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग ही धोखा दे, तो जनता कहां जाए? उनका इशारा बिहार चुनाव में 'वोट चोरी' के आरोपों की ओर था। अखिलेश ने जीएसटी दरों में कटौती को बिहार चुनाव का स्टंट बताया और कहा कि इससे मुनाफाखोरी नहीं रुकेगी। उन्होंने शिक्षक दिवस पर वादा किया कि सपा सरकार बनेगी, तो अच्छी शिक्षा और सम्मानजनक नौकरियां दी जाएंगी।बीजेपी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकार 27 हजार प्राइमरी स्कूल बंद कर चुकी है और 69 हजार शिक्षक भर्ती के उम्मीदवार सड़कों पर हैं। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी शिक्षा को बर्बाद कर रही है, ताकि लोग सवाल न उठाएं। अखिलेश ने बाराबंकी में एबीवीपी कार्यकर्ताओं की पिटाई का जिक्र कर बीजेपी पर तंज कसा। उन्होंने एबीवीपी को 'अखिल भारतीय वीडियो ऑफ पिटाई' कहा और व्यंग्य किया कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के संगठन के लोग दुखी हैं। मंत्री ओम प्रकाश राजभर के घर पर प्रदर्शन को लेकर भी उन्होंने तंज कसा।

जन्माष्टमी से उन्होंने बीजेपी सरकार की उल्टी गिनती शुरू कर दी है अब सिर्फ 493 दिन बचे हैं। यह बयान सपा कार्यकर्ताओं में जोश भर रहा है और जनता को याद दिला रहा है कि सपा की सरकार में विकास हुआ था, जबकि बीजेपी सिर्फ साजिशें रच रही है एक और बात ने इस मामले को और हवा दी। अखिलेश के काफिले की गाड़ियों पर 8 लाख रुपये का चालान काटा गया। उन्होंने इसे बीजेपी का राजनीतिक बदला बताया और कहा कि चालान व्यवस्था बीजेपी के कब्जे में है। वह इसका पता लगाएंगे। यह मुद्दा भी 'टोटी चोरी' से जुड़कर बीजेपी की साजिश का हिस्सा माना जा रहा है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें अखिलेश के आवास खाली करने के बाद की फुटेज दिखाई जा रही है, जिसमें सब कुछ सही—सलामत नजर आता है। सपा कार्यकर्ता इसे बीजेपी की साजिश का सबूत बता रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश का यह हमला सोची—समझी रणनीति है। 2027 का विधानसभा चुनाव नजदीक है और सपा ने लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया है। 'टोटी चोरी' को उठाकर अखिलेश बीजेपी को उनकी पुरानी रणनीतियां याद दिला रहे हैं और जनता के सामने उनकी साजिश कारी छवि पेश कर रहे हैं। यह मुद्दा सपा समर्थकों को एकजुट कर रहा है। बीजेपी की ओर से अभी कोई तीखा जवाब नहीं आया, लेकिन केतकी सिंह जैसे नेता इसे और हवा दे सकते हैं। बिहार में 'नल चोरी' और 'वोट चोरी' के आरोपों से भी यह जुड़ रहा है, जहां अखिलेश 5 करोड़ का मानहानि दावा करने की बात कर रहे हैं।

अखिलेश के लिए यह मामला सिर्फ सियासी नहीं, बल्कि निजी अपमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन जनता सब जानती है। सपा की उपलब्धियों को गिनाते हुए वह बीजेपी को घेर रहे हैं। शिक्षा, रोजगार और चुनावी धांधली जैसे मुद्दों को जोड़कर वह दबाव बना रहे हैं। यह सियासी जंग अब और तेज होने वाली है।

भारत की चिप क्रांतिः साकार होती हकीकत

— डॉ. सत्यवान सौरभ—

भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्व स्तर पर अपनी तकनीकी पहचान बनाई है। गुजरात और कर्नाटक में चिप पार्क, विदेशी निवेश और शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को गति दी है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है।

भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने केवल सपने नहीं रह गए हैं, बल्कि नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निर्माता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेजी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है।

चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर, स्मार्ट यंत्र, वाहन, रेल, हवाई जहाज, रक्षा उपकरण, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत यंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट तककृहर क्षेत्र में चिप की अनिवार्यता स्पष्ट दिखाई देती है। इसीलिए जो राष्ट्र इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त है, वही आने वाले समय में विश्व की राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही। भारी पूंजी निवेश, लगातार ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी और अनुसंधान की उपेक्षा जैसे कारणों से भारत पिछड़ता रहा। चीन, ताइवान, अमेरिका और कोरिया जैसे देशों ने इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाजार पर प्रभुत्व कायम किया और भारत को केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार के रूप में देखा जाने लगा। किन्तु राष्ट्रों के जीवन में भी ऐसे क्षण आते हैं जब परिस्थितियाँ बदली हुई राह पर चलने को बाध्य करती हैं। भारत के लिए भी यही अवसर बीते कुछ वर्षों में आया और उसने चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए 'डिजिटल इंडिया', 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसे अभियानों ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह जगाया। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता भी बनेगा। वर्ष 2021 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने इस संकल्प को ठोस आधार प्रदान किया। इसके अंतर्गत गुजरात और कर्नाटक में चिप निर्माण पार्क स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ। ताइवान, जापान और अमेरिका की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग की इच्छा प्रकट की। अरबों डॉलर के निवेश प्रस्ताव आए और अनुसंधान संस्थानों को सीधे इस अभियान से जोड़ा गया।

कोविड महामारी ने वैश्विक आपूर्ति शृंखला की कमजोरियों को उजागर कर दिया। जब चीन और ताइवान के कारखाने ठप पड़े तो पूरी दुनिया में मोबाइल, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का संकट खड़ा हो गया। कीमतें बढ़ीं, उत्पादन ठप हुआ और उपभोक्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उस कठिन दौर में भारत ने महसूस किया कि तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता का भी प्रश्न है।

1116 परीक्षार्थियों ने छोड़ी दूसरे पाली में यूपी पीईटी परीक्षा

संवाददाता–गोण्डा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा आज दो पालियों में आयोजित की गई। द्वितीय पाली में 18 परीक्षा केंद्रों पर कुल 7296 परीक्षार्थियों में से 6180 ने परीक्षा दी है और 1116 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे है। परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे जहां आज नकल विहीन परीक्षा पूरे जिले में संपन्न हुई है।

सभी 18 परीक्षा केंद्रों 600 अध्यापकों के अलावा 1000 से अधिक पुलिस कर्मी तैनात किए गए थे। 18 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 18 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 18 केंद्र व्यवस्थापक और 18 अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक की नियुक्ति की गई थी। खुफिया विभाग और यूपीएसटीएफ ने सभी केंद्रों की निगरानी की है लगातार परीक्षा केंद्रों के आसपास निरीक्षण भी किया जा रहा था। एक भी मुन्ना भाई या नकलची पूरी परीक्षा के दौरान नहीं पकड़े गए हैं।

जिला अधिकारी प्रियंका निरंजन ने जिगर मेमोरियल इंटर कॉलेज, फातिमा स्कूल और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में बने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षार्थियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं।डीआईजी अमित पाठक, एसपी विनीत जायसवाल और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने शहीद ए आजम सरदार भगत सिंह इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज और लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय का दौरा किया।

परीक्षा के बाद प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाएं डबल लॉक में जमा कराई जा रही हैं। मजिस्ट्रेट और पुलिस कर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। यातायात विभाग और रोडवेज प्रशासन को परीक्षार्थियों के आवागमन में सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गोंडा रोडवेज प्रशासन को डीएम ने यह निर्देश दिया है कि परीक्षार्थी अपने घरों को जा रहे हैं उन्हें बैठने की उचित व्यवस्था बसों में दी जाए।

निकाला मशाल जुलूस, मासूम हिमांशु के हत्यारों को फांसी की मांग

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज के चिऊरहा निवासी 12 वर्षीय मासूम हिमांशु चौधरी की निर्मम हत्या के विरोध में हिन्दू संघर्ष मोर्चा का गुस्सा फूट पड़ा। पुरैना में संगठन के कार्यकर्ताओं ने मशाल जुलूस निकालकर हत्यारों के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी की। मशाल जुलूस मुख्य चौराहे से शुरू होकर कस्बे के विभिन्न मार्गों से गुजरा और पुनः चौक पर आकर सम्पन्न हुआ। हाथों में जलती मशालें और आंखों में गुस्सा लिए लोग हत्यारों को फांसी दिए जाने की मांग कर रहे थे। जुलूस में शामिल लोगों ने मांग उठाई कि हिमांशु के कातिलों को फांसी की सजा दी जाए और उनके मकान को तत्काल कुर्क किया जाए।

भीड़ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई कि इस जघन्य हत्या मामले को फास्ट–ट्रैक कोर्ट में चलाकर दोषियों को जल्द से जल्द सख्त सजा दी जाए। ताकि भविष्य में कोई दरिंदा ऐसी वारदात करने का दुस्साहस न कर सके। इस दौरान भाजपा घुघली दक्षिणी महामंत्री रजत राय, खंड अध्यक्ष कन्हैया जायसवाल, कमलेश जायसवाल, मंटू जायसवाल, श्यालम, अनीस समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सयुस कार्यकर्ताओं ने खाद की किल्लत का आरोप लगा किया प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। शनिवार को समाजवादी पार्टी के युवा फ्रंटल संगठनों के कार्यकर्ताओं ने देवरिया शहर के सुभाष चौक पर यूरिया खाद की किल्लत एवं कालाबाजारी के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अपने सिर पर खाद की बोरियां, बैनर एवं स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारेबाजी की। समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष रणवीर यादव ने कहा कि देवरिया जिले में किसान इस समय यूरिया खाद की भारी कमी से जूझ रहे हैं। धान की फसल के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण समय है, लेकिन बाजार और समितियों से यूरिया गायब है। किसान लगातार भटक रहे हैं, जिससे उनकी फसल बर्बाद होने के कगार पर है। जिले में खाद की कालाबाजारी जोरों पर है, जिससे किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। महंगी खाद–बीज एवं महंगी बिजली होने से पहले से ही किसान परेशान है। समाजवादी लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष दिव्यांश श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार भले ही यूरिया की कमी न होने का दावा कर रही है, लेकिन जमीन पर स्थिति बिल्कुल उलट है। समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि किसान संकट का सामना कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार को किसानों की समस्याओं से कोई लेना देना नहीं है। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष खुर्शीद आलम अंसारी ने कहा कि यदि जल्द किसानों को खाद उपलब्ध नहीं हुआ तो समाजवादी नौजवान बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे। प्रदर्शन के दौरान धीरज यादव, जावेद अंसारी, आजम अहमद, मुराद, गिरीश जायसवाल, संजीव, रामविश्वाश, अनीश कुशवाहा, बबलू, विनोद, सुहेल, लारेब रहमान, देवेश, जयराम, सुनील, सुजीत पटेल, शादिक, अशोक चौहान, सूरज प्रताप, सूरज, मनीष सैथवार, हरिकेश, देवेंद्र मुलायम, रोहित, दिग्विजय, बलवंत, अशोक यादव, राहुल यादव, सद्दाम, अजय यादव, अमित, रितेश, ऋषिकेश, हैदर अली, धर्मेंद्र, विनोद यादव आदि मौजूद रहे।

विशुनपुर देवार के पांच, परसिया के दो टोले पानी से घिरे

संवाददाता–देवरिया। बाढ़ की स्थिति दिनों दिन गम्भीर होती जा रही है। सरयू और राप्ती नदी के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। नदियों के जलस्तर में चढ़ाव ने तटवर्ती गॉवों के ग्रामीणों को मुश्किल में डाल दिया है। दियारा क्षेत्र के सात टोले बाढ़ के पानी से घिर गए है। विशुनपुर देवार–नूरूल्लाह पुर तटबंधा की तरफ तेजी से पानी बढ़ रहा है। करीब डेढ़ सौ एकड़ फसल जलमग्न हो गई है। पानी से घिरे गांव में रहने लोगों को परेशानी का सामाना करना पड़ रहा है। बरहज में थानाघाट पर बने मापक पर शुक्रवार को शाम पांच बजे सरयू 67.50 मीटर पर प्रवाहित हो रही है।

जो खतरे के निशान 66.50 मीटर से एक मीटर अधिक है।बढ़ते जलस्तर से बाढ़ को लेकर लोगों में भय है। कपरवार संगम तट और कटइलवां गांव के सामने नदी दबाव बना रही है। परसिया देवार–नुरूल्लाहपुर तटबन्ध पर नदी की लहरें तेजी बढ़ रही है। नदी के जल स्तर बढ़ने से विशुनपुर देवार का कतलहिया, आदित्य का टोला, नई बस्ती, चौहान टोला, स्कूल टोला परसिया देवार का दसरसरिया टोला, राजभर टोला पानी से घिर गए है। उधर राप्ती नदी का भी जलस्तर तेजी के साथ बढ़ रहा है। पानी से मैरुण्ड भदिला प्रथम गांव में हालात गम्भीर होते जा रहे है। नाव की व्ध्यवस्ध्था नहीं, ग्रामीणों में आक्रोश बरहजरू विशुनपुर देवार के घिरे टोलों के लिए अभी तक नाव का इंतजाम नहीं किया गया है। गांव के अशोक यादव, ओम प्रकाश यादव, सुरेंद्र प्रसाद, रामसेवक, किशोर ने बताया कि पांच टोले बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। नाव नहीं चलने से आवागमन में परेशानी हो रही है।

घाघरा नदी का जलस्तर 16 सेमी घटा, 56 मजरों की 9 हजार आबादी प्रभावित, तटीय इलाकों में कटान तेज

संवाददाता–गोण्डा। घाघरा नदी का जलस्तर पिछले 24 घंटों में 16 सेंटीमीटर घट गया है नदी अभी खतरे के निशान से 25 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। जलस्तर में गिरावट से तटीय इलाकों में नदी की कटान तेज हो गई है। करनैलगंज तहसील का नकहरा गांव बाढ़ से पूरी तरह प्रभावित है। गांव में पानी भरा होने के कारण लोग नाव से आवागमन कर रहे हैं। गंदे पानी की वजह से नल का पानी भी दूषित हो गया है। तरबगंज तहसील के ब्योन्दा माझा और बहादुरपुर गांव भी बाढ़ की चपेट में हैं।

जिले की दोनों तहसीलों में 11 ग्राम पंचायतों के 56 मजरे बाढ़ से प्रभावित हैं। करीब 9 हजार की आबादी इससे जूझ रही है। प्रशासन की ओर से बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग और पशु चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों को तैनात किया गया है। राजस्व विभाग नुकसान का आकलन कर रहा है।

बाढ़ खंड और सिंचाई विभाग नदी की धारा मोड़ने का काम कर रहे हैं। करनैलगंज और तरबगंज तहसील क्षेत्र में नदी की कटान से ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ रही हैं।वहीं पूरे मामले को लेकर के गोंडा अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि आलोक कुमार ने बताया कि वर्तमान में घाघरा नदी खतरे के निशान से 25 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है और लगातार नदी के जलस्तर में गिरावट आ रही है। जो पानी बढ़ा है उससे 11 गांवों का 56 मजरा प्रभावित है।

लोगों के आने–जाने के लिए नाव लगाई गई है संबंधित विभाग के अधिकारियों को भी मौके पर भेजा गया है ताकि जो भी सुविधा हो लोगों को मिल सके। पानी घटने से किसी की फसल खराब हो रही है क्या कहीं पर कटान हो रहा है इसको लेकर के संबंधित राजस्व निरीक्षक और लेखपाल को निर्देशित किया गया है। जल्द से जल्द सर्वे करके रिपोर्ट दें ताकि जो भी उनको मुआवजा दिया जाना है वह मुआवजा प्रदान किया जा सके।

बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता–देवरिया। देवरिया–कसया मार्ग पर मुंडेरा बाबू चौराहा पेट्रोल पंप के समीप शुक्रवार की रात एक स्कूटी सवार व्यक्ति ट्रक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग उसे सीएचसी कसया भेजवाए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मठिया महावल जवाहर प्रजापति (50) पुत्र जमुना प्रजापति शुक्रवार को किसी काम से कसया गए थे। देर शाम घर लौटते समय मुंडेरा बाबू चौराहे के कुछ दूर पहले ही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसया पहुंचाया, जहां उनकी मौत हो गई। इस खबर से परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी उर्मिला देवी दहाड़े मारकर रोने लगी। बेटा आकाश प्रजापति (24) व देवाशीष (18) का रो रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी मृत्युंजय राय ने बताया कि मामला संज्ञान में है। अभी तहरीर नहीं मिली है, मिलते मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महराजगंज महोत्सव में होगा कला, विज्ञान, शिक्षा व खेल का समागम

संवाददाता–महराजगंज। इस साल राष्ट्रीय एकता दिवस पर आगामी 31 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटीध्वॉकेथान से महराजगंज महोत्सव का आगाज होगा। महोत्सव को लेकर डीएम संतोष कुमार शर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक की। कहा कि महोत्सव में कला, विज्ञान, शिक्षा व खेल के साथ महराजगंज के इतिहास पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कार्यक्रमों के लिए स्लॉट निर्धारित करने का निर्देश दिया। बैठक में कार्यक्रम तिथि, कार्यक्रम स्थल, विभिन्न कार्यक्रमों, स्टालों और समितियों के गठन के संदर्भ में चर्चा की गई। डीएम ने दशहरा के दृष्टिगत महोत्सव का शुभारंभ 31 अक्टूबर को करने का निर्देश दिया। विगत वर्ष के कार्यक्रमों की जानकारी ली और निर्देशित किया कि विभिन्न आयोजनों के लिए जल्द से जल्द समितियों और उपसमितियों का गठन कर लिया जाए। स्थानीय कलाकारों और हुनरमंदों को उनकी कला व हुनर का प्रदर्शन करने के लिए हुनर प्वाइंट बनाने का निर्देश दिया। महोत्सव में विभागीय योजनाओं के प्रचार–प्रसार के लिए विभागीय गोष्ठी कराने को कहा। इससे पूर्व जिला सूचना अधिकारीध्सहायक पर्यटक अधिकारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा के विषय में समिति को अवगत कराया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, डीएफओ निरंजन सुर्वे राजेंद्र, एडीएम (विध्रा) डॉ. प्रशांत कुमार, सीएमओ डॉ. श्रीकांत शुक्ला, डीडीओ बीएन कन्नौजिया, पीडी रामदरश चौधरी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गणेश प्रतिमाओं का किया जा रहा विसर्जन, कड़ी सुरक्षा में निकल रहा जुलूस

संवाददाता–गोण्डा। जिले में 11 दिन की पूजा–अर्चना के बाद आज गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन बड़ी ही धूमधाम से किया जा रहा है। गोंडा प्रशासन ने गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। जुलूस की निगरानी के लिए सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। विसर्जन के लिए निर्धारित मार्गों से ही जुलूस निकालने की अनुमति दी गई है। धानेपुर के जोतिया गांव में नवयुवक मित्र मंडल की ओर से आयोजित सार्वजनिक गणेशोत्सव शनिवार को संपन्न हुआ। श्गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आश के जयघोष के साथ भगवान गणेश को विदाई दी गई। गांव के बाहर स्थित अमृत सरोवर में प्रतिमा का विसर्जन किया गया है। शोभायात्रा जोतिया गांव से निकलकर पावर हाउस, माधवगंज होते हुए सिंहपुर गांव से अमृत सरोवर पहुंची।

श्रद्धालुओं ने आरती के बाद प्रसाद वितरण किया इस दौरान सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज रावत ने बताया कि विसर्जन स्थलों पर महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। घाटों पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी मौजूद हैं। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी की जा रही है। भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं।

नहर के किनारे दिखा महिला का शिकार करने वाला मगरमच्छ

बहराइच,संवाददाता। नहरों व तालाबों में मगरमच्छ डेरा जमा हुए हैं। शनिवार को बिछिया व चौकसाहार में नहर व तालाब के किनारे मगरमच्छ विचरण करते दिखा। ग्रामीणों का कहना है कि शिकार की तलाश में मगरमच्छ अक्सर किनारे देखे जा रहे हैं। आबादी के पास मगरमच्छों की मौजूदगी को लेकर वे लोग दहशतजदा हैं,क्योंकि पिछले दिनों मगरमच्छों ने बालक समेत दो लोगों को शिकार बना लिया था। इनके रेस्क्यू कर सुरक्षित जगह छोड़ने की मांग की जा रही है। कतर्निया सेंचुरी क्षेत्र से लगे बिछिय के चमन चौराहे से होकर निकली नहर के किनारे शनिवार की सुबह विशालकाय मगरमच्छ विचरण करता दिखा।

इस दौरान ग्रामीणों ने उसका वीडियो बना लिया। काफी देर तक मगरमच्छ बैठा रहा। लोगों की भीड़ बढ़ने पर व नहर के अंदर चला गया। पिछले दिनों इसी जगह पर मगरमच्द ने महिला का शिकार किया था। ग्रामीणों ने बताया कि इसकी सूचना रेंजर को दी गई है। नहर में मगरमच्छ होने की वजह से आसपास के लोग बच्चों में पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। बहराइच वन प्रभाग के नानपारा रेंज के चौकसाहार के मजरे बाबा बिहारीदास कुट्टी के बीच एक छोटा सा तालाब है। मानसून सत्र में सरयू में आई बाढ़ से इलाका जल प्लावित हो गया था। शाम मवेशियों को चरा कर गांव आ रहे चरवाहों ने तालाब मे तैरते हुए जबड़े फाड़ मवेशियों को घूरते मगरमच्छ को देख होश उड़ गए। काफी देर तक तालाब मवेशियों की ओर देखता रहा। इस पर बच्चों ने ईंट मारकर उसे भगाने का प्रयास किया। शोर मचाने पर और ग्रामीण पहुंच गए। इसके बाद मगरमच्छ तालाब में कूद गया। गांव के बीच तालाब में मगरमच्छ की मौजूदगी से लोग खौफ में है। ग्रामीणों का कहना है कि सूचना के बावजूद वन विभाग की ओर से कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इसको लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। तालाब व नहरों के किनारे जाने से बचें ग्रामीण डीएफओ सूरज कुमार ने बताया कि नदियों से लगी नहरों व तालाबों से दूर रहें। मानसून सत्र में अक्सर मगरमच्छ शिकार को लेकर तालाबों में पहुंचते हैं। लगातार सामने आ रही घटनाओं को देखते हुए ग्रामीण खुद बच्चों संग मवेशियों को भी तालाब के किनारे न ले जाएं न पानी पिलाएं। मगरमच्छ दिखने पर तत्काल इसकी सूचना रेंज कार्यालय को दें, ताकि उनकी निगरानी की जा सके।

तिरुपति बालाजी के साथ अन्य शक्ति पीठों का दर्शन कराएंगी समितियां

संवाददाता–महराजगंज। जिले के सिसवा नगर में वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार इस बार स्थानीय प्रमुख समितियां तिरुपति बालाजी के साथ अन्य शक्ति पीठों का दर्शन नवरात्रि के अवसर पर कराएंगी। इसकी तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस बार नवरात्रि के समय पांच दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव 28 सितंबर से शुरू होकर 3 अक्टूबर को प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ सम्पन्न होगा। इस दौरान कस्बे में तीन प्रमुख समितियों में नगर के सुप्रसिद्ध रामजानकी मंदिर समिति के द्वारा इस बार तिरुपति बालाजी के दर्शन कराया जाएगा। यह समिति पिछले वर्ष नवरात्रि के दौरान बाबा केदार नाथ, अयोध्या धाम का दर्शन परिसर स्थित पंडाल में कराई थी।

समिति के अध्यक्ष मनोज केशरी व महामंत्री जितेंद्र वर्मा ने बताया कि पूर्व की भांति इस वर्ष नवरात्रि में मंदिर परिसर में बनाये जा रहे भव्य पंडाल में तिरुपति बालाजी के दर्शन होगा, जिसमें तैयारी चल रही है। बाहर से आये कारीगर दिन रात कार्य कर रहे हैं। दूसरी प्रमुख समिति बाल दुर्गा पूजा सेवा समिति स्टेशन रोड के अध्यक्ष गंगा सागर जायसवाल ने बताया कि इस बार समिति शक्ति पीठ के साथ भव्य पंडाल में विशाल मां दुर्गा प्रतिमा के साथ अलौकिक झांकी का दर्शन करायेगी। वहीं तीसरी प्रमुख समिति में लोकायन दुर्गा पूजा समिति के रामेश्वर जायसवाल ने बताया बांग्लादेश में स्थित माता योगेश्वरी देवी शक्ति पीठ के साथ अन्य शक्ति पीठों के दर्शन अपने यहां भव्य पंडाल में श्रद्धालुओं को कराई जायेगी। इसी क्रम में नगर के हट्टी माता मंदिर, हनुमान मंदिर, शायर माता मंदिर, वनस्पति देवी मंदिर, दुर्गा मंदिर, भुवरी माता मंदिर के साथ स्टेट चौक प्राइमरी पाठशाला, संस्कृति पाठशाला, जायसवाल नगर, गोपाल नगर, अमरपुरवा, रेलवे स्टेशन परिसर, चीनी मिल, बीजापार सहित तीन दर्जन दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना नगर क्षेत्र में की जाएगी।

डेढ़ घंटे से लगातार मूसलाधार बारिश,,4 डिग्री गिरा पारा

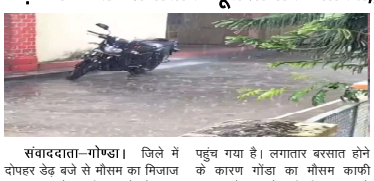

संवाददाता–गोण्डा। जिले में दोपहर डेढ़ बजे से मौसम का मिजाज बदल गया है हल्की हवाओं के साथ लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। बारिश से तापमान में गिरावट आई है और पिछले 15 दिनों से चल रही गर्मी से लोगों को राहत मिली है। अचानक शुरू हुई बारिश से रास्ते में चलने वाले लोग भीग गए तापमान 36 डिग्री से घटकर 32 डिग्री तक पहुंच गया है। लगातार बरसात होने के कारण गोंडा का मौसम काफी सुहाना हो गया है अभी भी बरसात हो रही है।

मौसम विभाग ने अगले 3 घंटों के लिए भारी वर्षा और हल्की हवाओं का अलर्ट जारी किया है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। दोपहर से अब तक 5 एमएम बारिश दर्ज की गई है। मूसलाधार बारिश होने से भीषण गर्मी से जहां एक तरफ लोगों को राहत मिली है तो वहीं दूसरी तरफ किसानों के फसल को काफी फायदा हुआ है। बाजार से महंगे दामों पर डीजल लेकर की किसान अपने घर को जाकर के अपने खेत की सिंचाई कर रहे थे।

जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि जिले के कई स्थानों पर हल्की हवाओं के साथ बारिश हुई है। इससे किसानों को फायदा हुआ है। बारिश से गर्मी से राहत मिलने के साथ बीमारियों में भी कमी आने की संभावना है। लगातार गोंडा मेडिकल कॉलेज में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिल रही थी क्योंकि गर्मी के कारण लोग ज्यादा बीमार हो रहे थे।

चोरों ने महिला पर चाकू से किया हमला, लोगों ने दौड़ाया तो भाग

संवाददाता–गोण्डा। नवाबगंज थाना क्षेत्र के बैजलपुर गांव में चोरी की घटना सामने आई है। जहां देर रात करीब 1 बजे दुर्गा प्रसाद मौर्य के घर में अज्ञात चोर घुस गए। चोरी का विरोध करने पर चोरों ने 35 वर्षीय मीना देवी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।

मीना देवी के हाथ पर धारदार हथियार के निशान मिले हैं। चोर घर से 9 हजार रुपए नकद, लाखों रुपए के जेवरात और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। चोरी की घटना के बाद दुर्गा प्रसाद मौर्य के घर में सामान बिखरा हुआ है।

मीना देवी की आवाज सुनकर परिवार के लोग जागे और चोरों का पीछा किया। लेकिन चोर भागने में सफल रहे। सूचना मिलते ही नवाबगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। रेंसिक टीम को बुलाया है। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। परिजनों से तहरीर लेकर के मुकदमा दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा को भी चेक किया जा रहा है।

गुमशुदगी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी श्रीमती नीतू सिंह पत्नी संतोष कुमार सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट– पिपरा गौतम, परगना–बस्ती पूरब, थाना– नगर, तहसील व जिला– बस्ती की मूल निवासिनी हूँ। हमारे द्वारा क्रय सम्पत्ति जो कि मौजा लैबुड़वा के गाटा संख्या 173 रकबा 1636 वर्ग फीट का रजिस्टर्ड दस्तावेज दिनाँक 01.02.2007 बही स० 1. जिल्द स० 3378, पृष्ठ स०– 129 से 154 पर क्रमांक 442 के द्वारा लक्ष्मी पुत्र भीखी से सत्या जयसवाल ने क्रय किया था। तत्पश्चात रजिस्टर्ड दस्तावेज बैनामा दिनाँक 09.05.2012 बही सं0 1, जिल्द सं० 5072, पृष्ठ सं0 285 से 312 पर क्रमांक 1769 के द्वारा सत्या जयसवाल ने श्रीमती माया देवी को विक्रय किया था। तत्पश्चात माया देवी ने संजय सिंह को बैनामा लिखा। तत्पश्चात संजय सिंह व रामधनी के भाई हीरा ने हम प्रार्थिनी को बैनामा लिखा। उपरोक्त रजिस्टर्ड दस्तावेज जिनका रजिस्ट्रीकृत विवरण उपरोक्त दिया गया है। उपरोक्त दोनों मूल दस्तावेज कचहरी से पक्के बाजार जाते समय दिनाँक 01.07.2025 को दिन में लगभग 03.00 बजे कही गिर गया। प्रार्थिनी के द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी नही मिला तथा न ही मिलने की सम्भावना है। ऐसी सूरत में किसी के द्वारा गलत उपयोग में लाया जाता है तो वह अवैधानिक होगा।

ईद– ए– मिलाद– उन–नबी पर निकला मोटरसाईकिल जुलूस

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। ईद– ए– मिलाद– उन–नबी के मौके पर रजा ए मुस्तफा एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी कुसौरा बाजार द्वारा मोटरसाइकिल जुलूस निकाला गया जिसकी अध्यक्षता अब्दुल रब मोहम्मद नासिर खान मुमताज अली जिया उल हक ने किया । जुलूस कुसौरा बाजार होते हुए कलवारी के रास्ते गायघाट होते हुए कुदरहा के रास्ते लालगंज तक गया पुनः लालगंज से कुदरा होते हुए कलवारी के रास्ते नगर बाजार होते हुए बक्सर तक गया और बक्सर के बाद सीधे कुसौरा बाजार सभा में सम्मिलित हो गया ।

कुसौरा बाजार में आयोजित कार्यक्रम को धार्मिक उलिमाओं ने संबोधित किया पैगंबर इस्लाम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला कहा उनके बताए हुए रास्ते पर हमें चलने की आवश्यकता है।

मुख्य अतिथि के रूप में मौलाना मुफ्ती अख्तर हुसैन मौलाना मोहम्मद फारूक अलीमी मौलाना मोहम्मद सईद नूरानी मौलाना मोहम्मद हसन मौलाना अब्दुल हफीज एवं अन्य धार्मिक विद्वानों ने संबोधित किया। कहा कि पैगंबर मुहम्मद ने इंसानियत,

–पैगंबर मुहम्मद ने दिया इंसानियत, दया और सेवा का संदेश

दया, न्याय और सेवा का संदेश दिया था। उन्होंने समाज में भाईचारा और मेल–जोल बढ़ाने का भी अवसर है। कार्यक्रम में सांसद रामप्रसाद चौधरी , विधायक दूधराम महेंद्र नाथ यादव, शिक्षक अम्बिका पांडे , निजामुदीन, मोहम्मद नासिर खान विधायक प्रतिनिधि इरशाद अहमद खान मोहम्मद शमीम खानडा. किताबुल्लाह, अब्दुल रब, मुमताज अली, साबिर अली, मोहम्मद यूसुफ, तौहीद आलम, नैमुल्ला सदरुद्दीन मकसूद उल हसन, मोहम्मद अंजुम, जाफर अली, जहीरुद्दीन, अनवारुलहक, नूर मोहम्मद, फरीद अहमद, शेर मोहम्मद एवं भारी संख्या में क्षेत्रीय अकीदतमंद मौजूद रहे। अध्यक्षता मौलाना मोहम्मद इरफान रजा और संचालन मोहम्मद इजहारुल हक अंसारी ने किया। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्राधिकारी कलवारी, थाना अध्यक्ष कलवारी और गणमान्य लोगों का संस्था द्वारा स्वागत और आभार प्रकट किया गया।

कार्यकर्ताओं की ताकत से आगामी चुनाव होंगे निर्णायक –धर्मपाल सिंह

संवाददाता–गोरखपुर। भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि सेवा पखवाड़ा, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और शिक्षक–एमएलसी चुनाव पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। भाजपा के पास देश का सबसे समृद्ध और अनुशासित कार्यकर्ता संगठन है, जिसकी बेहतर योजना और सक्रिय भागीदारी से हर चुनाव को निर्णायक बनाया जा सकता है। शनिवार को एनेक्सी भवन में आयोजित भाजपा की क्षेत्रीय संगठनात्मक बैठक में धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू हो रहे सेवा पखवाड़ा में भाजपा के सभी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सेवा के कार्यक्रमों के माध्यम से पार्टी की विचारधारा को मजबूत करें।

सेवा पखवाड़ा 2 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें 18 कार्यक्रम तय किए गए हैं। इसमें बूथ स्तर पर पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती का आयोजन प्रमुख है। उन्होंने कहा कि पंचायत और शिक्षकध्स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर संगठन को मतदाताओं के बीच स्पष्ट उपस्थिति दर्ज करानी होगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से कहा कि फर्जी मतदाताओं के नाम हटवाना और नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़वाना प्राथमिकता में होना चाहिए। युवाओं और महिलाओं को संगठन में विशेष जिम्मेदारी देकर उन्हें नेतृत्व के अवसर दिए जाने चाहिए। धर्मपाल सिंह ने दो टूक कहा कि जब भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक मतदाता एकरूपता में काम करेंगे, तो कोई भी चुनाव जीतना कठिन नहीं होगा। संगठन के सभी पदाधिकारियों को सेवा पखवाड़ा और चुनाव तैयारियों में पूरी क्षमता के साथ जुटने का आह्वान किया। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, क्षेत्र प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला, प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह, प्रदेश मंत्री शंकर गिरी, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, प्रदेश मंत्री शकुंतला चौहान, क्षेत्रीय संयोजक सेवा पखवाड़ा साकेत सिंह सोनू, सह संयोजक पूर्व महानगर अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव, क्षेत्रीय संयोजक शिक्षक एमएलसी चुनाव प्रेमचंद्र मिश्रा, क्षेत्रीय सह संयोजक त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सिद्धार्थ शंकर पांडेय, गोरखपुर के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी डॉ बच्चा पाण्डेय नवीन सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और जिलाध्यक्ष मौजूद रहे। संचालन क्षेत्रीय महामंत्री सुनील गुप्ता ने किया।

जीवन संवारते हैं शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता– रूधौली (बस्ती)। पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस शिक्षा दिवस के अवसर पर मौलाना अबुल कलाम आजाद जूनियर हाई स्कूल कीड़हवा, रूधौली, जनपद बस्ती में शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बच्चों ने शिक्षकों के महत्व, पर प्रकाश डाला। बच्चों ने उर्दू, हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में शिक्षकों के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत किए। बच्चों की मार्गदर्शक इंग्लिश टीचर एम.ए. अंसारी की प्रबंधक मुहम्मद असलम शार्दा बस्तवी ने खूब सराहना की और कहा कि इस स्कूल के उद्देश्यों को उन्होंने पूरा करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे मृदुभाषी, हौसला बढ़ाने वाले और प्रतिभाशाली शिक्षक बहुत मुश्किल से मिलते हैं।

उन्होंने बच्चों से कहा कि वे शिक्षकों का सम्मान और आदर करें तथा उनकी इज्जत–अफजाई करते रहें। बच्चों ने भी शिक्षकों को खूबसूरत और नायाब तोहफे भेंट किए और खूब स्नेह दिया। इससे पहले विज्ञान और गणित के शिक्षक द्वाकर कुमार भट्ट ने अपने विचार व्यक्त किए और बच्चों को बधाई दी। मौलाना अब्दुल्ला मजाहरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद बच्चों ने शिक्षकों को कलम भेंट की और केक खिलाया। सभी बच्चे काफी खुश नजर आए।

कक्षा छठी, सातवीं, आठवीं, नौवीं और दसवीं की छात्राओं व कुछ छात्रों ने शिक्षकों की शान में अपने विचार प्रकट किए। इनमें साहिबा, हानिया, तैयबा, राबिया, सबा परवीन, कमरुन्निसा, फिजा अलफिया, नाजिया, राजिया, सना खातून, सना रूधौली, सना मसना खघस, खघ्दीजा, मुन्तशा, आफिया, आलिया, जानकी, नोशीन, तौहीद समेत कई बच्चे शामिल रहे।

शिक्षा के माध्यम से जीवन जीने की कला सिखाते हैं शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। मिश्रौलिया स्टेट स्थित केपीएस ग्रुप आफ इंस्टिट्यूशन में प्रशिक्षुओं ने अपने शिक्षकों के सम्मान में शिक्षक दिवस बडे धूम धाम से मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ के पीएस ग्रुप के डायरेक्टर डा अजीत प्रताप सिंह ने फीता काटकर किया। उपस्थित प्रशिक्षुओं को सम्बोधित करते हुए डॉ. अजीत प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है और शिक्षक वही लोग हैं जो हमें इस शिक्षा के माध्यम से जीवन जीने की कला सिखाते हैं। छात्र प्रत्येक शिक्षक के लिए बहुत खास होते हैं। उनकी सफलता ही शिक्षक की असली खुशी है। जब आप कुछ नया सीखते हैं, जब आप मेहनत करते हैं, और जब आप अपने सपनों को पूरा करते हैं, तो शिक्षक को गर्व होता है। शिक्षक बृजेश मिश्रा ने कहा कि आप सभी में प्रतिभा है। आप सभी अपने–अपने तरीके से खास हैं। हमें विश्वास है कि आप अपने जीवन में ऊंचाइयों को छू सकते हैं। इस अवसर पर ग्रीन वैली एकेडमी की प्रधानाचार्य संध्या सिंह, महिमा, अंजलि, अखिलेश यादव, अनामिका, अंजलि बाल गोविंद विश्वकर्मा, अंजलि वर्मा, अनूप सिंह, अंशिका यादव, दीपक शर्मा, मर्शी एस मौर्या, रागिनी यादव, शमा परवीन, सुप्रिया, गायत्री, बबली गौंड, सत्य प्रकाश, किरन, अनुपम, अमीशा, सृष्टि, अंतिमा, सहित तमाम प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

कचहरी में रखा था लावारिस बैग, जांच में मिला असलहा, पुलिस–प्रशासन के होश

संवाददाता–अयोध्या। जिले मे एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां कचहरी परिसर में पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। कचहरी के शेड नंबर पांच में रूटीन चेकिंग के दौरान एक लावारिस बैग मिला। बैग की तलाशी ली गई तो उसमें चार कारतूस और दो तमंचे बरामद हुए।

इस बरामदगी के बाद कचहरी परिसर में अफरा–तफरी मच गई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कड़ी सुरक्षा और मेटल डिटेक्टर लगे होने के बावजूद कचहरी परिसर में तमंचे कैसे पहुंच गए। सूत्रों की मानें तो सुबह 8 से 8.45 बजे के बीच किसी अपराधी तत्व ने बैग लाकर शेड नंबर पांच में रखा और मौके से फरार हो गया। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। ताकि, आरोपी तक पहुंचा जा सके। यहां बताते चलें कि 22 सितंबर 2007 को फैजाबाद कचहरी में सीरियल ब्लास्ट हुआ था। इसके बाद यहां सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई थी। लेकिन, अब मेटल डिटेक्टर मात्र शोपीस बनकर रह गए हैं। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह ने इसे गंभीर चूक बताते हुए डीएम और जिला जज से शिकायत करने की बात कही है। वहीं, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने कहा है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की जल्द गिरफ्तारी होगी। जांच की जा रही है।

मामले में जिला जज रणंजय कुमार वर्मा ने न्यायालय परिसर की सुरक्षा के संबंध में बैठक की। बैठक में न्यायालय परिसर के सुरक्षा प्रभारी सीजेएम सुधांशु शेखर उपाध्याय व नजारत प्रभारी एडीजे प्रदीप कुमार सिंह मौजूद रहे। जिला जज ने सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर और चाक–चौबंद करने के लिए और कदम उठाए जाने की बात कही है। उन्होंने फोन पर वार्ता के दौरान जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे व एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर से सुरक्षा में हुई कोताही पर कार्रवाई करने की अपेक्षा की है। जिला जज ने एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह को कचहरी परिसर में तमंचे व कारतूस रखने की सत्यता की जांच करने का निर्देश दिया है। इसके बाद जिला जज ने जिलाधिकारी व एसएसपी के साथ कचहरी परिसर में आने और जाने वाले गेट की सुरक्षा व्यवस्था की जांच भी की।

पेंशन बढ़ोतरी की मांग को लेकर तेज करेंगे संघर्ष

संवाददाता–गोरखपुर। ईपीएस–95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति गोरखपुर की मासिक बैठक शनिवार को बस स्टेशन परिसर में हुई। बैठक की अध्यक्षता वृंदावन शुक्ल ने की। इसमें पेंशनर्स ने भाग लेकर पेंशन बढ़ोतरी समेत चार सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में 4 व 5 अगस्त को दिल्ली के जंतर–मंतर पर हुए आंदोलन में गोरखपुर मंडल से भागीदारी के लिए गए साथियों के प्रति आभार जताया गया। साथ ही, 6 अगस्त को संसद भवन के प्रवेश द्वार पर सांसदों द्वारा किए गए प्रदर्शन के लिए भी आभार व्यक्त किया गया, जिसमें ईपीएस पेंशन बढ़ोतरी की मांग को प्रमुखता से उठाया गया था।

बैठक में चिंता जताई गई कि 19 अगस्त को केंद्रीय श्रम मंत्री ने ईपीएस पेंशन में वृद्धि का आश्वासन देने के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है। चेतावनी दी कि यदि आगामी 15 अक्टूबर तक चार सूत्रीय मांगों को पूरा नहीं किया गया तो समिति कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगी। बैठक में अश्विनी पांडेय, विनोद कुमार शर्मा, जय प्रकाश दूबे, राम नरायन विश्वकर्मा, वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, संजय बेंचुरा, महेंद्र कुमार पांडेय, गंगा प्रसाद, गोपाल प्रसाद, नसरुल्ला खां, चंद्रिका नाथ, मूर्ति प्रकाश नायक एवं मनन सिंह प्रमुख रहे।

जिला अस्पताल में बढ़े चर्म रोगी, एक ही चिकित्सक के सहारे ओपीडी

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिला अस्पताल के अधिकांश विभागों में चिकित्सकों की कमी नहीं है। लेकिन त्वचा व ईएनटी विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों की भारी कमी है। जबकि इन दिनों त्वचा रोग से परेशान मरीजों की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा तीन गुना से अधिक हो गई है। इससे चिकित्सक के साथ मरीज भी काफी परेशान हो रहे हैं। जबकि जिम्मेदारों द्वारा इस विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक की तैनाती जिले में महज तीन दिन ही की गई है। जनपद में बारिश न होने से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। लोगों को धूप में कार्य करने की मजबूरी हो गई है। इन दिनों तेज धूप भी हो रही है। जिससे बाहर निकलने वाले लोगों की त्वचा में खुजलाहट के साथ दाने निकल आ रहे हैं। साथ ही शरीर के कई भागों में सफेद फफोले हो जा रहे हैं। इसके उपचार के लिए मरीज जिला अस्पताल में पहुंच रहे हैं। इस विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सक के कक्ष के सामने लंबी कतार लग जा रही है। मरीजों की अधिक भीड़ होने के कारण अस्पताल में तैनात सुरक्षा गार्ड को लगाना पड़ रहा है। एक ही चिकित्सक के रहने से बड़ी परेशानी चर्म रोग विभाग में महज एक ही डाक्टर की तैनाती की गई है। वह भी वे सप्ताह में तीन दिन ओपीडी करेंगे। बाकी तीन दिन वे सिद्धार्थनगर में मरीजों की देखभाल करेंगे। इससे मरीजों की काफी भीड़ हो जा रही है। ईएनटी विभाग चिकित्सक विहीन अस्पताल में नाक कान व गला रोग के मरीजों को उपचार कराने के लिए अन्य जिले में जाना पड़ रहा है। विगत दो माह से इस विभाग के चिकित्सक छुट्टी पर चल रहे हैं जिससे प्रति दिन दर्जन भर से अधिक मरीज निराश होकर वापस चले जा रहे हैं।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद संख्या T202514170402089
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– न्यायालय–श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय रूधौली जिला–बस्ती
चन्द्रपाल सिंह
बनाम
आकाश आदि

1. आकाश पुत्र कलाधर सिंह ग्राम मझौवा जगत तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती 2. अजय प्रताप सिंह पुत्र शत्रुजीत सिंह ग्राम महसिन तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती 3. अनिरुद्ध चौधरी पुत्र रामपलट ग्राम निवासी 4. अंजनी पुत्र राधेश्याम ग्रा0 निवासी 5. अभिषेक सिंह पुत्र प्रताप सिंह ग्रा0 निवासी 6. अमरनाथ पुत्र राम अवध ग्रा0 निवासी 7. कु0 शिल्पा पुत्री कलाधर सिंह ग्राम मझौवा जगत 8. केशरीनन्दन सिंह पुत्र चन्द्रभान सिंह ग्राम मझौवा जगत 9. गंगाराम पुत्र रामलखन ग्राम महसिन 10. चन्द्रप्रताप पुत्र नरसिंह ग्राम मझौवा जगत 11. चिन्तामणि सिंह पुत्र राजकरन ग्राम मझौवाजगत 12. जगदम्बिका पाल सिंह पुत्र भानु प्रताप सिंह ग्राम महसिन 13. जगरनाथ पुत्र रामअवध ग्राम महसिन 14. ज्योति पुत्री राधेश्याम ग्रा0 महसिन 15. दिग्विजय सिंह पुत्र अजय सिंह ग्राम महसिन 16. देवकरन सिंह पुत्र रामजतन ग्राम मझौवा जगत 17. प्रदीप सिंह पुत्र राम सिंह ग्राम मझौवा जगत 18. प्रमोद कुमार चौधरी पुत्र रामकल्प ग्राम महसिन 19. प्रांजल सिंह पुत्र दिलीप सिंह ग्राम महसिन 20. बाबूराम पुत्र चइतूराम ग्राम महसिन 21. भारती पुत्री रधेश्याम ग्राम महसिन 22. महेन्द्र कुमार सिंह पुत्र वीरेन्द्रसेन सिंह ग्राम महसिन 23. रणजीत सिंह पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम मझौवा जगत 24. राघवेन्द्र पाल सिंह पुत्र भैरव प्रताप सिंह ग्राम महसिन 25. राजपाल पुत्र नरसिंह ग्राम मझौवाजगत 26. राजमती पत्नी निर्मल ग्राम मझौवा जगत 27. रामअजा सिंह पुत्र रामदेव सिंह ग्राम मझौवाजगत 28. रामचन्द्र पुत्र राम अवध ग्राम महसिन 29. रामजग पुत्र राम अवध ग्राम महसिन 30. रामनयन पुत्र रामलखन ग्राम महसिन 31. रामनाथ पुत्र रामलखन ग्राम महसिन 32. राम प्रताप सिंह पुत्र सभाजीत सिंह ग्राम महसिन 33. रामराज पुत्र रामहित ग्राम महसिन 34. रामलौट पुत्र चइतूराम ग्राम महसिन 35. ऋतिकराज चौधरी पुत्र रामकल्प ग्राम महसिन 36. विकास पुत्र कलाधर सिंह ग्राम मझौवा जगत 37. विजय प्रताप सिंह पुत्र सभाजीत सिंह ग्राम महसिन 38. विद्यावती पत्नी इन्द्रबहादुर सिंह ग्राम बसियाखोर 39. विमला सिंह पत्नी पुरुषोत्तम सिंह ग्राम चडाव 40. विशाल पुत्र कलाधर सिंह ग्राम मझौवा जगत 41. विशाल पुत्र राधेश्याम ग्राम महसिन 42. विश्राम मौर्या पुत्र सुखराज ग्राम महसिन 43. विश्वनाथ पुत्र रामसुभग ग्राम मझौवाजगत 44. विश्वविजय पुत्र अजय सिंह ग्राम महसिन 45. सत्यपाल सिंह पुत्र भानूप्रताप सिंह ग्राम महसिन 46. शिवपूजन पुत्र रामदेव सिंह ग्राम मझौवा जगत 47. शिवशंकर सिंह पुत्र रामसिंह ग्राम मझौवा जगत 48. आशा सिंह पत्नी अजय सिंह ग्राम महसिन 49. उर्मिला सिंह पत्नी प्रताप सिंह ग्राम महसिन 50. श्रीमती कवलपाती पत्नी दयाराम ग्राम महसिन 51. श्रीमती जानकी सिंह पत्नी भानू प्रताप सिंह ग्राम महसिन 52. श्रीमती बबिता सिंह पत्नी दिलीप सिंह ग्राम महसिन 53. श्रीमती मालती उर्फ कमला पत्नी भानु प्रताप सिंह ग्राम जरवा 54. श्रीमती सुनीता सिंह पत्नी कलाधर सिंह ग्राम मझौवा जगत 55. सत्यराम पुत्र चइतूराम ग्राम महसिन 56. सोनमती चौधरी पत्नी रामकल्प ग्राम महसिन 57. हरीराम पुत्र बीलर ग्राम महसिन 58. हुबलाल मौर्या पुत्र सुखराज ग्राम महसिन –प्रतिवादीगण पथम वर्ग 59. अध्यक्ष भूमि प्रबंधक समिति ग्राम पंचायत महसिन तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती 60. सरकार उत्तर प्रदेश जरिए जिलाधिकारी बस्ती जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–09–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 10 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 04 माह 09 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 04 /2024
रामचन्दर
बनाम
काशीनाथ आदि

बनाम–1– काशीनाथ पुत्र राम प्रसाद 2. अशोक पुत्र काशीनाथ ग्राम करियापार राउत तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 3. अभिषेक उर्फ भानू पुत्र पंचराम 4. आलोक कुमार पुत्र काशीनाथ 5. जगदम्बा पुत्र नरसिंह निवासीगण करमागजा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 6. अंगद पुत्र रामपलट ग्राम करियापार राउत तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 7. सुरेन्द्र प्रसाद पुत्र ओम प्रकाश ग्राम रेउली तप्पा जात कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–10–2025

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 10 के 20 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–241 /2025
रामअदालत
बनाम
श्रीमती पूजा

1. श्रीमती पूजा देवी उम्र 42 साल पत्नी मुकेश कुमार साकिन पिरैला नरहरिया तप्पा भानपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 2. रामरती देवी उम्र 50 साल पत्नी राम प्रसाद चौहान साकिन सजगदीशपुर उर्फ नौगढ़वा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–142 /2024
लालमन आदि
बनाम
रीला आदि

1. रीला उम्र लगभग 44 साल पुत्री स्व0 बदरी पत्नी चानू 2. चानू उम्र लगभग 46 साल पुत्र भोला निवासीगण मौजा भुवनी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–11–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक आपक 01 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–163 /2022
धर्मनाथ
बनाम
राधेश्याम

1. राधेश्याम उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र रामबली निवासी तरेता तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय रूधौली जिला–बस्ती
मूलवाद सं0– 135 /2010
रमेश चन्द्र
बनाम
शिवपूजन आदि

2/1 धर्मी बेवा मुनिरका उम्र लगभग 50 साल 2/2 मनोज कुमार उम्र लगभग 30 साल 2/3 संजय कुमार उम्र लगभग 26 साल 2/4 रंजय कुमार उम्र लगभग 23 साल 2/5 मंजेश कुमार उम्र लगभग 21 साल पुत्रगण मुनिरका 2/6 गीता देवी पुत्रबधू उम्र लगभग 35 साल विधवा पनोज कुमार 2/7 पूजा उम्र लगभग 17 साल 2/8 गुज्जी उम्र लगभग 14 साल नाबालिगान पुत्रीगण पनोज कुमार 2/9 शिवा उम्र लगभग 11 साल पुत्र पनोज कुमार बवलायत संरक्षिका गीता देवी माता हकीकी साकिनान मौजा धनसा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 29–09–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 29 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–169 /2024
अब्दुल कादिर
बनाम
श्रीमती आमिना खातून आदि

1. श्रीमती आमिना खातून पत्नी मो0 कासिम अली 2. कासिम अली पुत्र अहमद अली निवासीगण पिकौरा शुक्ल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग 3. सादिक अली पुत्र नेवास अली निवासी पिकौरा शुक्ल तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 30–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com